भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न संख्या 5112
24 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

## नीली क्रांति और मत्स्यपालन विकास योजनाएं

**5112. श्री अभय कुमार सिन्हा:**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान बिहार और औरंगाबाद जिले में नीली क्रांति और मत्स्यपालन विकास संबंधी योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या कितनी है;

(ख) राज्य में मछली बीज फार्मों और हैचरियों के लिए जारी और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) बिहार में मत्स्य उत्पादन का ब्यौरा क्या है और चालू वर्ष के लिए अपेक्षित लक्ष्य क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा मत्स्य उत्पादन और मछुआरों की आय बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**
**(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)**

(क) से (घ): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, बिहार समेत सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मात्स्यिकी और जलकृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य से वित्तीय वर्ष 2020-21 से लगभग 20,050 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश के साथ प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) को कार्यान्वित कर रहा है । PMMSY के तहत, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने 173.65 करोड़ रुपए की केंद्रीय देयता के साथ 547.13 करोड़ रुपए की विभिन्न मात्स्यिकी विकास गतिविधियों को स्वीकृति दी है और राज्य में मात्स्यिकी के विकास के लिए बिहार सरकार को 126.14 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। बिहार सरकार द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत तीन वर्षों के दौरान औरंगाबाद जिले के 107 लोगों सहित राज्य में 4421 लाभार्थियों को PMMSY के तहत कवर किया गया है, जबकि फिश सीड फार्म और हैचरी के संबंध में, 35 फिन फिश हैचरी और एक ब्रूड बैंक के लिए 15.29 करोड़ रुपये की परियोजना प्रस्ताव स्वीकृत की गई है और राज्य में 12.84 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग किया गया है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के 2020 में शुरू होने के बाद से, भारत में मत्स्य उत्पादन और जलकृषि उत्पादकता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। देश का कुल मत्स्य उत्पादन वर्ष 2019-20 के लगभग 141.6 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 197.75 लाख टन हो गया है, जो 38% की वृद्धि दर्शाता है। इसी तरह, बिहार में वर्ष 2024-25 के लिए मत्स्य उत्पादन 9.59 लाख टन रहा और वर्तमान वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित लक्ष्य 10.20 लाख टन है।

मत्स्यपालन विभाग भारत सरकार ने अपनी प्रमुख योजना PMMSY के तहत कई पहल की हैं, जो मुख्य रूप से सस्टेनेबल और जिम्मेदार जलकृषि को बढ़ावा देकर, मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाकर, मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करके और पोस्ट हार्वेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करके मात्स्यिकी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित हैं। सरकार आधुनिक जलकृषि पद्धतियों को भी बढ़ावा दे रही है, जिसमें बायोफ्लोक तकनीक, रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS), केज कल्चर और मेरीकल्चर शामिल हैं। इसके अलावा, गुणवत्ता वाले फिश सीड और फीड की आपूर्ति के लिए हैचरी, ब्रूड बैंक और फीड मिलों की स्थापना की जा रही है, साथ ही उच्च मूल्य वाले प्रजातियों में विविधीकरण (डाइवर्सिफिकेशन) को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन पहलों ने सामूहिक रूप से देश में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि, उत्पादकता में सुधार और मछुआरों तथा मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि में योगदान दिया है। इसके अलावा, मछुआरों और मत्स्य किसानों द्वारा संस्थागत ऋण तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए, 2018-19 से, किसान क्रेडिट कार्ड सुविधा को उनकी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मछुआरों और मत्स्य किसानों तक विस्तारित किया गया है। इसके अलावा 2018-19 से FIDF के तहत मछुआरों और मत्स्य किसानों को 3% तक के ब्याज सबवेशन के साथ रियायती वित्त प्रदान किए जा रहे हैं जिसका उद्देश्य फिशरीस इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे तालाब, केज कल्चर, हैचरी, फीड प्लांट, कोल्ड स्टोरेज, आइस प्लांट आदि का निर्माण और सुदृढ़ीकरण करना है।

***